makefoss.com

प्रहेलिका :
(पहेलियाँ)

(क) कस्तूरी जायते कस्मात् ?
को हन्ति करिणां कुलम् ?
किं कुर्यात् कातरो युद्धे ?
मृगात् सिंहः पलायते ॥1॥

शब्दार्थ— कस्तूरी — एक ऐसा पदार्थ जिसमें तीक्ष्ण गंध होती है जो नर कस्तूरी मृग के पीछे/गुदा क्षेत्र में स्थित एक ग्रंथि से प्राप्त होती है। जायते — उत्पन्न होती है। कस्मात् — किससे, को — कौन, हन्ति — मार डालता है। करिणां — हाथियों के, कुलम् — झुंड को, कातरः — कायर, मृगात् — हिरण से, पलायते — भाग जाता है।

अन्वयः — कस्तूरी कस्मात् जायते? मृगात्। कः करिणां कुलं हन्ति ? सिंहः। कातरः युद्धे किं कुर्यात्? पलायते।

सरलार्थ — (प्रश्न) कस्तूरी किससे उत्पन्न होती है? (उत्तर) मृग से। (प्रश्न) कौन हाथियों के झुंड को मार डालता है? (उत्तर) सिंह। (प्रश्न) कायर युद्ध में क्या करता है? (उत्तर) भाग जाता है।

maketoss.com

(ख) सीमन्तिनीषु का शान्ता ?
राजा कोऽभूत् गुणोत्तमः ?
विद्वद्भिः का सदा वन्द्या ?
अत्रैवोक्तं न बुध्यते ॥2॥

शब्दार्थ — सीमन्तिनीषु — नारियों में, शान्ता — शान्त स्वभाव वाले, कोऽभूत् — कौन हुआ, गुणोत्तम् — गणों में उत्तम (सबसे बढ़िया), विद्वद्भिः — विद्वानों के द्वारा, का — कौन, वन्द्या — वन्दनीय, अत्रैव — यहाँ पर ही, उक्तम् — कहा गया है, बुध्यते — जाना जाता है।

अन्वयः — का सीमन्तिनीषु शान्ता? (सीता)। कः राजा गुणोत्तमः अभूत्? (रामः)। का विद्वद्भिः सदा वन्द्या? (विद्या)। अत्र एव उक्तम्, न बुध्यते।

सरलार्थ — (प्रश्न) नारियों में शान्त कौन है? (उत्तर - सीता)। (प्रश्न) कौन राजा उत्तम गुणों वाला हुआ है? (उत्तर - राम)। (प्रश्न) विद्वान् लोगों के द्वारा हमेशा वन्दनीय कौन है? (उत्तर विद्या)। (सभी प्रश्नों का उत्तर) यहाँ पर ही (श्लोक में) कह दिया गया है, (वह साक्षात्) नहीं जाना जाता है/नहीं दिखाई देता है।

maketoss.com

(ग) कं सञ्जघान कृष्णः ?
का शीतलवाहिनी गङ्गा ?
के दारपोषणरता: ?
कं बलवन्तं न बाधते शीतम् ॥3॥

शब्दार्थ— कम् — किसको, सञ्जघान — मार डाला, कृष्ण — कृष्ण (यशोदा का पुत्र / काले रंग का), शीतलवाहिनी — ठण्डी धारा वाली, गंगा — गंगा नदी, के — कौन, दारपोषणरता: — पत्नी के पोषण में लीन, कं — किस, बलवन्तम् — बलवान को, बाधते — सताती है। शीतम् — ठण्ड (cold)।

अन्वय:— कृष्णः कं सञ्जघान ? (कंसम्)। का गङ्गा शीतलवाहिनी? (काशीतलवाहिनी)। दारपोषणरता: के ? (केदारपोषणरता:)। शीतं कं बलवन्तं न बाधते ? (कम्बलवन्तम्)।

सरलार्थ— कृष्ण ने किसे मार डाला ? (उत्तर - कंस)। कौन गङ्गा ठण्डी धारा वाली है ? (उत्तर - काशीतल में बहने वाली गङ्गा)। कौन लोग पत्नी के पोषण में लगे हुए हैं ? (कृषक)। ठंड किस बलवान को नहीं सताती ? (उत्तर - कम्बल वाले को)।

maketoss.com

(घ) वृक्षाग्रवासी न च पक्षिराज:
त्रिनेत्रधारी न च शूलपाणि: ।
त्वग्वस्त्रधारी न च सिद्धयोगी
जलं च बिभ्रन्न घटो न मेघ: ॥4॥

शब्दार्थ— वृक्षाग्रवासी — पेड़ के ऊपर रहने वाला, पक्षिराज:— पक्षियों का राजा, त्रिनेत्रधारी — तीन नेत्रों वाला, शूलपाणि:—जिसके हाथ में त्रिशूल हो(शिव) त्वग्वस्त्रधारी— छाल को धारण करने वाला बिभ्रन्—धारण करता हुआ,

अन्वय:— (स:) वृक्षाग्रवासी (अस्ति), न पक्षिराज: । त्रिनेत्रधारी (परम्) शूलपाणि: न (अस्ति) । त्वग्वस्त्रधारी, सिद्धयोगी न । जलं च बिभ्रन् (अस्ति), न घट:, न मेघ: (अस्ति)।

सरलार्थ— वह वृक्ष पर रहने वाला है परन्तु पक्षियों का राजा अर्थात् गरुड़ नहीं है । (वह) तीन आंखों वाला है परन्तु शिव नहीं है। वह छाल को धारण करने वाला है परन्तु सिद्ध योगी नहीं (है)। वह जल को अंदर धारण करता है, (परन्तु) न घड़ा है और न ही बादल। उत्तर—नारियल

maketoss.com

(ङ०) भोजनान्ते च किं पेयम् ?
जयन्तः कस्य वै सुतः ?
कथं विष्णुपदं प्रोक्तम् ?
तक्रं शक्रस्य दुर्लभम् ॥5॥

शब्दार्थ— भोजनान्ते – भोजन के अंत में, पेयम्– पीने योग्य, कस्य–किसका, जयन्तः– जयन्त (इन्द्र का पुत्र) वै– निश्चित रूप से, सुतः–पुत्र, कथं–कैसा, विष्णुपदम् – स्वर्ग / विष्णुलोक, प्रोक्तम्– कहा गया है। तक्रं – छाछ (butter-milk) शक्रस्य–इन्द्र का,

अन्वयः– च भोजनान्ते किं पेयम्? तक्रम् । जयन्तः कस्य वै सुतः? शक्रस्य । विष्णुपदं कथं प्रोक्तम्? दुर्लभम् ।

सरलार्थ— और, भोजन के अंत में क्या पीना चाहिए ? छाछ । जयन्त निश्चित रूप से किसका पुत्र है ? इन्द्र का । विष्णु का स्थान (स्वर्ग) कैसा कहा गया है ? दुर्लभ ।